Piles (बवासीर)

Images of Piles Before & after Ksharasutra Treatment

सामान्य तौर पर देखा गया हे, अधिकतर लोग गुदा मार्ग में होने बाली किसी भी प्रकार की समस्या को पाइल्स का नाम दे देते हैं. लेकिन पाइल्स के अतिरिक्त फिशर, फिस्टुला, साइनस, पोलिप, हेमाटोम आदि रोग भी गुदा मार्ग में पाए जाते हैं. मुख्या रूप से पाइल्स के २ प्रकार हे,

External Piles - ये गुदा मार्ग के बाहर एक मस्से के रूप में दिखाई देती हे. सामान्यतः इसमें कोई ब्लीडिंग या वेदना नहीं होती है। इंफेक्शन हो जाने पर इन मस्सों में। दर्द या सूजन रहता है।

Treatment: सामान्य तौर पर बाहरी मस्से छोटे हो तो दवा य क्षार कर्म से ठीक हो जाता हे. यदि मस्से ज्यादा बड़ा हो तो इसमें क्षारसूत्र का उपयोग किया जाता हे जिससे ये रोग पूरी तरह से ठीक हो जाता हे और दोबारा होने की संभाबना नहीं रहता हे.

Internal Piles- इसमें मस्से गुदा मार्ग के अंदर पाए जाते हैं। इंटरनल पाइल्स को 3 stage में डिवाइड किया गया है।

1st stage में मल त्याग करते समय बिना दर्द का खून का आना मुख्य लक्षण है। खून बूंद बूंद होकर गिरता है।

2nd stage में मल त्याग के समय पाइल बाहर आ जाता है और अपने आप अंदर चला जाता है। इसमें भी साथ में बूंद बूंद खून गिरता है।

3rd stage में पाइल्स मास बाहर आ जाता है और इसको हाथ से दबाने पर अंदर चला जाता है। इन सभी में पेट साफ़ न होना ही मुक्ष्य लक्ष्यण हे मतलब टाइट जाना.

Treatment: सामान्य रूप से पाइल्स के प्रॉब्लम में, पेट साफ़ रखना बेहद जरुरी हे साथ में खान पान का भी ध्यान रखना पड़ता हे. अगर हम सुबह व्यायाम भी एक घंटे के लिए करें तो हमे इलाज के बाद फिर से वो होने संभाबना नहीं रहता हे. खाने में ज्यादातर हरा सब्जि एवं सलाद का इस्तेमाल करें. नॉन वेज, दारू, दाल बाटी आदि का त्याग करे. अधिक जानकारी के लिए डॉ हलदार सर से संपर्क करें.

Fistula (भगंदर)

Images of Fistula Before & after Ksharasutra Treatment

इस रोग में गुदा मार्ग के पास एक गांठ बन जाता है. जिसमें रुक रुक कर Pus Discharge या पानी निकलता रहता है। Pus dischareg हो जाने के बाद किसी तरह का दर्द या सुजन नहीं रहता हे. रोगी स्वयं को बिल्कुल स्वस्थ महसूस करता है और दोबारा से पर्स इकट्ठा होने के बाद फिर से गुदा मार्ग के पास सुजन एवं दर्द होना चालू हो जाता है। इस प्रकार Pus इकट्ठा होना एवं डिस्चार्ज होने का साइकिल रिपीट होता रहता है।

Treatment: Fistula के treatment में surgery में Fistulotomy or Fistulectomy का सलाह दिया जाता हे. Surgery के side effects में Post-Operative Complications जैसे Pain, Bleeding, Anaesthesia से सम्बंधित complications के साथ साथ Stool Incontinence (मल को रोकने की क्ष्यमता ना रहना) एवं Fistula दोबारा हो जाना भी देखने को मिलता हे.

आयुर्वेद में Fistula के लिए Ksharasutra treatment बताया गया हे. इस treatment में बिना किसी चीर फाड़ के Fistula पूरी तरह से ठीक किया जाता हे और Fistula दोबारा होने की संभावना नहीं रहता हे. इलाज से पहेले Fistulogram. USG/MRI करवाकर Fistula का tract confirm किया जाता हे. क्षारसूत्र treatment में क्षारसूत्र को उसकी tract में स्थापित करा देने के बाद क्षारसूत्र से release होने वाली medicine से Fistula tract की cleaning और healing होती रहती हे. Ksharasutra में उपस्थित medicine एक सप्ताह तक कारगर रेहता हे. इसीलिए हर सप्ताह मरीज को Center पे आना पड़ेगा क्षारसूत्र को बदलने के लिए. ऐसा देखा गया हे की प्रत्येक सप्ताह में करीब 0.5 - 1 cm तक Fistula tract की cutting & healing हो जाती हे. इसीलिए tract की लम्बाई के हिसाब से treatment का duration final किया जाता हे.

Pain, Bleeding & Pus Discharge in Anal Area?

It May be Fissure, Piles or Fistula!

Consult your Doctor

Today @Indore
for Correct Diagnosis

Dr.Pronab Haldar

MD(Ayurveda), PhD

At

Dr.Haldar's Piles Care Centre, Indore
Capital Tower, 306, 3rd Floor, Sapna Sangeeta Road, Near Agrasen Chouraha, Indore, MP, 452001

Phone: 9691241120, 7987801488

Fissure (नासूर)

Images of Fissure

Hard Stool Pass करने/बार बार मल त्याग करने से गुदा मार्ग में चीरा / CUT लग जाना Fissure का मुख्य लक्ष्यण हे. इसकी बजह से मल त्याग करने में भारी पीड़ा होना या दिन भर जलन के साथ पीड़ा होता रहता हे. Acute anal Fissure में पीड़ा के डर से मरीज latrine जाता नहीं. इससे परेशानी घटने से ज्यादा बढ़ जाता हे.

Treatment: प्रारंभिक स्थिति में, Anal Dilation के बाद Fissure के चीरा की जगह पर प्रतिसारणिय क्षार को लगाया जाता हे. Fissure में main Problem constipation ही होता हे. अगर मरीज इसका लम्बे समय तक इलाज नहीं करवाता हे तो, ये Chronic fissure में बदल जाता हे जिसमे Fissure cut के निचे के तरफ Skin tag grow करने लग जाता हे. जिसको Sentinile Piles कहते हे. Operation के समय उसको क्षारसूत्र से ligate किया जाता हे.

क्षारसूत्र treatment में किसी तरह का hospitalization की जरुरत नहीं पड़ता. ऑपरेशन के बाद कुछ' दिन के लिए Chair में बेठने को परहेज करना अच्छा होता हे.

अधिक जानकारी के लिए Log On करे, **www.drhaldarspilescare.com**

संपर्क करे, **Dr. Haldars Piles Care Center at Indore**

कल करें **: 9691241120, 7987801488**

मिलने से पहेले अपॉइंटमेंट आवस्य लेवे.
Please take Prior Appointment.

Pilonidal Sinus (पिलोनिडल साइनस)

Images of Pilonidal Sinus Before & after Ksharasutra Treatment

ये रोग प्रायतः उन लोगो में देखा जाता हे, जिनके शरीर में ज्यादा बाल हो य जो लोग ज्यादा कार, ट्रक या बस चलाते हें. इस बीमारी में रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में छोटा सा गांठ बन जाता हे. जिसमे से मवाद/Pus या Blood discharge रुक - रुक कर होता रहता हे.

Treatment: Pilonidal Sinus के treatment के लिए साधारणतः डॉक्टर Surgery me Z – Plasty की सलाह देते हें. लेकिन सर्जरी के बाद भी 25 % मरीजो में बीमारी दोबारा हो ही जाता हे.

आयुर्वेद में Pilonidal Sinus का इलाज सर्जरी ना करके क्षारसूत्र से करवा सकते हें. इलाज से पहेले FISTULOGRAM/ USG/MRI करवाकर Pilonidal Sinus का tract confirm किया जाता हे. क्षारसूत्र treatment में क्षारसूत्र को उसकी tract में स्थापित करा देने के बाद क्षारसूत्र से release होने वाली medicine से Sinus tract की cleaning और healing होती रहती हे. Ksharasutra में उपस्थित medicine एक सप्ताह तक कारगर रेहता हे. इसीलिए हर सप्ताह मरीज को Center पे आना पड़ेगा क्षारसूत्र को बदलने के लिए. ऐसा देखा गया हे की प्रत्येक सप्ताह में करीब 0.5 - 1 cm तक Sinus tract की cutting & healing हो जाती हे. इसीलिए tract की लम्बाई के हिसाब से treatment का duration final किया जाता हे

Anal Haematoma

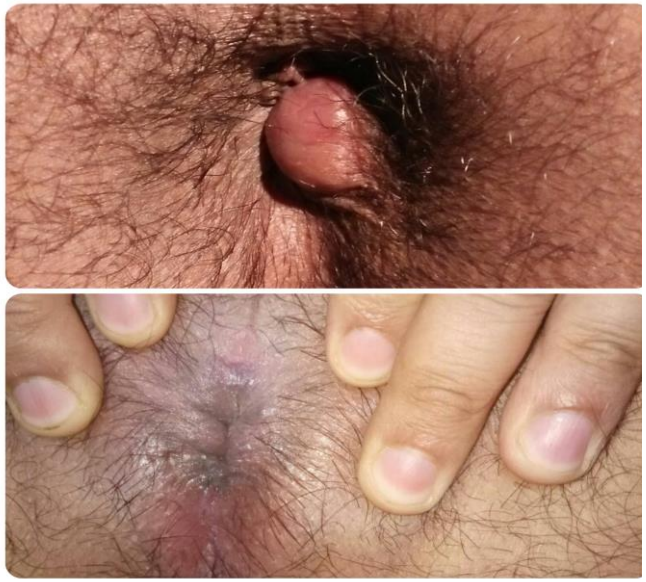

Images of Perianal Haematoma before & after treatment with in a 7days.

ये रोग प्रायतः उन लोगो में ज्यादा होता हे, जिनके शरीर में ज्यादा गर्मी हो या बाहर का खाना ज्यादा खाते हो, ठंडा चीजे ज्यादा लेते हो. नॉन - वेज या अल्कोहल का ज्यादा सेवन करते हो. जो लोग चाय या काफी का ज्यादा सेवन करते हों.

ये बीमारी प्रायतः तत्काल ही ४ - ५ दिन के अन्दर ही हो जाता हे. इसका लक्ष्यण में भयानक दर्द एवं गुदा मार्ग में एक सुजन सा हो जाता हे.

Treatment: आयुर्वेद के इलाज में इसका I/D करने के बाद प्रतिसारणिय क्षार को लगाया जाता हे. जिससे की घाव जल्दी भरे. केबल दिन के अन्दर ही दर्द पूरा ख़तम\ हो जाता हे. और 7 दिन के अन्दर complete relief हो जाता हे.

अधिक जानकारी के लिए Log On करे, **www.drhaldarspilescare.com**

संपर्क करे, **Dr. Haldars Piles Care Center at Indore**

कल करें **: 9691241120, 7987801488**

मिलने से पहेले अपॉइंटमेंट आवस्य लेवे.
Please take Prior Appointment.